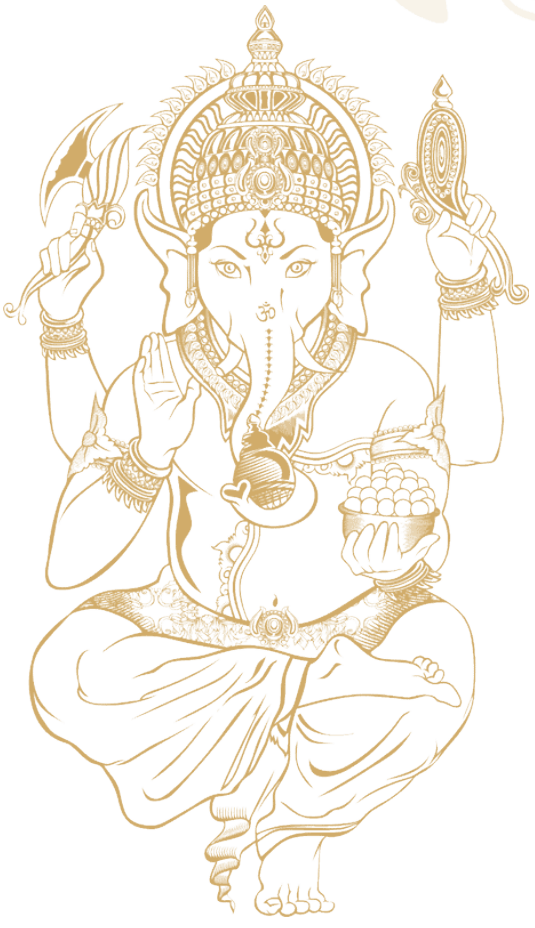

Kanwardeep Singh

Ravneet kaur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120846802

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
19/01/2001 :	जन्म तिथि	: 1-02/03/2002
शुक्रवार :	दिन	: शुक्र-शनिवार
घंटे 16:20:00 :	जन्म समय	: 06:08:00 घंटे
घटी 22:12:49 :	जन्म समय(घटी)	: 57:59:07 घटी
India :	देश	: India
Moga :	स्थान	: Faridkot
30:49:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:42:00 उत्तर
75:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:30:52 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:26:52 :	सूर्योदय	: 06:58:00
17:52:18 :	सूर्यास्त	: 18:28:58
23:52:03 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 8मा 13दि	16:31:31	मिथु	लग्न	मक	29:19:39	मंगल 6वर्ष 2मा 1दि
बुध	05:33:45	मक	सूर्य	कुंभ	17:21:58	राहु
04/10/2010	09:51:24	वृश्चि	चंद्र	कन्या	24:54:38	03/05/2008
04/10/2027	21:42:02	तुला	मंगल	मेष	06:23:58	04/05/2026
बुध 01/03/2013	20:45:43	मक	बुध	मक	22:04:46	राहु 14/01/2011
केतु 26/02/2014	07:22:49	वृष व	गुरु	मिथु	11:44:28	गुरु 09/06/2013
शुक्र 27/12/2016	22:38:23	कुंभ	शुक्र	कुंभ	28:35:11	शनि 15/04/2016
सूर्य 03/11/2017	00:13:17	वृष व	शनि	वृष	14:36:01	बुध 02/11/2018
चन्द्र 04/04/2019	21:38:02	मिथु	राहु व	वृष	29:43:00	केतु 21/11/2019
मंगल 31/03/2020	21:38:02	धनु	केतु व	वृश्चि	29:43:00	शुक्र 20/11/2022
राहु 19/10/2022	25:44:48	मक	हर्ष	कुंभ	01:52:19	सूर्य 15/10/2023
गुरु 24/01/2025	12:08:15	मक	नेप	मक	15:45:44	चन्द्र 15/04/2025
शनि 04/10/2027	20:30:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:38:54	मंगल 04/05/2026

लग्न-चलित

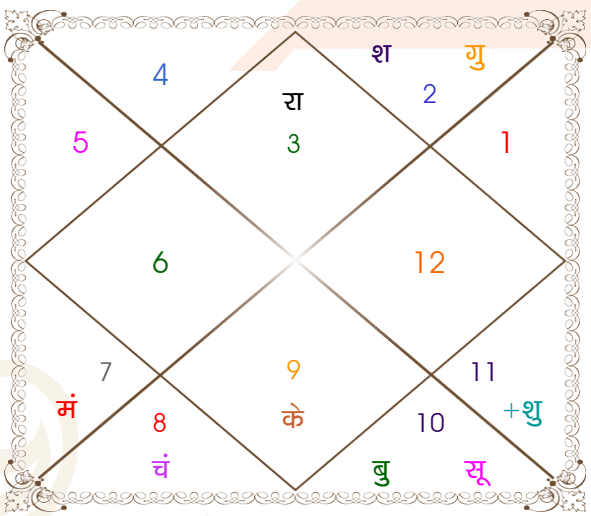

लग्न-चलित

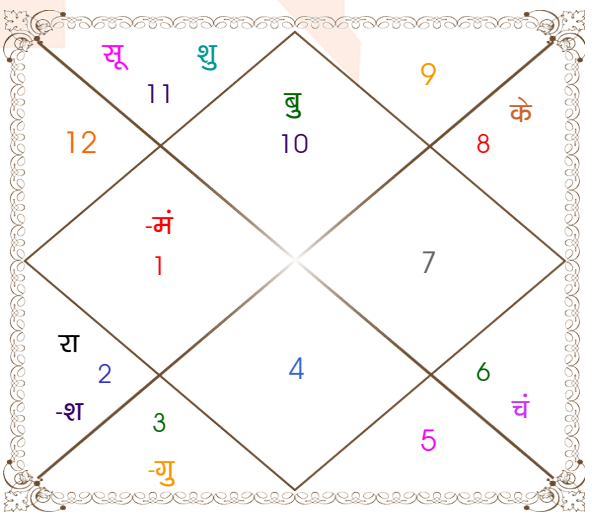

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

झंदूंतकममचै पदही का वर्ग सर्प है तथा Ravneet kaur का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंदूंतकममचै पदही और Ravneet kaur का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

झंदूंतकममचै पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ravneet kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ravneet kaur कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झंदूंतकममचै पदही तथा Ravneet kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।